सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई–1

1. दे" ाी ताल पद्धति का अध्ययन।
2. मार्ग तथा देशी ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
3. कायदा एवं रेला के रचना एवं विस्तार सिद्धांत का विवेचन।

इकाई–2

1. 16वी. शताब्दी से वर्तमान तक के संगीत की ऐतिहासिक जानकारी।
2. निम्नलिखित ग्रंथकारों का परिचय।
   पं. विशणु नारायण भातखण्डे, पं. विशणु दिगम्बर पलुस्कर, स्वाति, मतंग, भरत, भाारंगदेव, व्यंकटमखी, सवाई प्रताप सिंह।
3. पखावज एवं तंत्र वादन के घरानों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–3

1. नाट्य" ाास्त्र के आधार पर अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षरों का सामान्य अध्ययन।
2. संगीत संबंधी किसी एक प्राचीन ग्रन्थ का विश्लेषणात्मक अध्ययन। (भरतकृत नाट्य शास्त्र, भाारंगदेवकृत संगीत रत्नाकर, नारदकृत संगीत मकरंद, पा" र्वदेवकृत संगीत समयसार)

इकाई–4

1. उत्तर भारतीय अवनद्ध एवं घन वाद्यों का ऐतिहासिक विवेचन।
2. उत्तर भारतीय संगीत में ताल के महत्व का अध्ययन।
3. तबला वाद्य के निर्माण विधि का अध्ययन।

इकाई–5

1. कर्नाटक पद्धति का सामान्य परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विशय पर लगभग 400 भाब्दों में निबंध लेखन।
3. निम्नलिखित वरिश्ठ तबला एवं पखावज वादकों का जीवन परिचय :–
   पं. रामशंकर दास पागलदास पं. नाना पानसे, पं. कुदऊ सिंह, उस्ताद गामे खॉं, उस्ताद आफाक हुसैन खॉं, उस्ताद अमोर हुसैन खॉं, पं. निखिल घोष।

सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला
द्वितीय प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तोर्णांक
100	33%

इकाई–1

1. विशम मात्रा के तालों का परिचय तथा ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना। (वसंत, रूद्र, मत्त, लक्ष्मी)
2. पंचम सवारी, एकताल, झपताल एवं रूपक तालों में विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

इकाई–2

1. विशम मात्रिक तालों में विस्तार" ाील बंदि" ाों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. विशम मात्रिक तालों के ठेकों को कुआड़, आड़ की लयकारियों में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

इकाई–3

1. 9 एवं 11 मात्रा में अविस्तार" ाील बंदि" ाों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल एवं रूपक तालों में कायदा एवं पे" ाकार लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. दीपचन्दी एवं जत तालों में लग्गियॉ लिपिबद्ध करना।
2. दिये गये बोल समूहों से चौताल एवं सूलताल में तिहाईयॉ बनाकर लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. गत, परन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली, नाहक्का, रौ की सोदाहरण जानकारी।
2. एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं के क्रम का विस्तृत विवेचन।
3. दिये गये बोलों के आधार पर पाठ्यक्रम के तालों में टुकडे, मुखडे, तिहाईयॉ, परन आदि बनाकर उन्हें लिपिबद्ध करना।

सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित विशम मात्रा के तालों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. पखावज के ठेकों को तबले पर पखावज वादन भौली अनुसार बजाना।
3. " ाास्त्रीय, उप" ाास्त्रीय, सुगम संगीत आदि के साथ तबला संगति का अभ्यास।
4. पंचम सवारी ताल में स्वतंत्र वादन। (न्यूनतम 20 मिनिट)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला वादन की तकनीक
(Technic of Tabla Playing)
मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष किसी भी ताल में न्यूनतम 15 मिनिट लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।
2. त्रिताल, एकताल एवं झपताल का द्रुत लय में वादन।
3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश	:	श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2	:	श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश	:	श्री भगवतशरण शर्मा
1. ताल परिचय भाग 1 एवं 2	:	पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
2. ताल वाद्य शास्त्र	:	डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ	:	डॉ. अबान मिस्त्री
7. तबला पुराण	:	पं. विजय भांकर मिश्र
8. ताल वाद्य भाास्त्र	:	डॉ. एम. बी. मराठे
9. ताल वाद्य परिचय	:	डॉ. जमुना प्रसाद पटेल